SHRI JAGDISHPRASAD JHABARMAL TIBREWALA UNIVERSITY, CHUDELA, JHUNJHUNU RAJASTHAN

INSTITUTE OF LANGUAGES
TEACHING AND EXAMINATION SCHEME AND DETAILED SYLLABUS FOR

M.A. HINDI (PREVIOUS)

ACADEMIC SESSION 2015 And Onwards

अनुक्रमणिका

S. No.	Subject Code	Subject Name	Page No.
1	--	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध – प्रथम सत्र	3-11
2	--	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध – द्वितीय सत्र	12-20
3	MHI-101	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध – प्रथम सत्र विषय – हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रष्न पत्र– "आदिकालीन काव्य एवं निर्गुण काव्य"	4-5
4	MHI-102	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध – प्रथम सत्र विषय – हिन्दी साहित्य –द्वितीय प्रष्न पत्र– "आधुनिक हिन्दी काव्य – प्रथम"	6-7
5	MHI-103	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध – प्रथम सत्र विषय – हिन्दी साहित्य –तृतीय प्रष्न पत्र– "भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा"	8-9
6	MHI-104	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध – प्रथम सत्र विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)"	10-11
7	MHI-201	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध – द्वितीय सत्र विषय – हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रष्न पत्र– "मध्यकालीन हिन्दी काव्य"	13-14
8	MHI-202	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध – द्वितीय सत्र विषय – हिन्दी साहित्य –द्वितीय प्रष्न पत्र– "कथेतर गद्य विधाएँ"	15-16
9	MHI-203	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध –द्वितीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –तृतीय प्रष्न पत्र– "हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल)"	17-18
10	MHI-204	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध –द्वितीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "हिन्दी कहानी"	19-20

स्नातकोत्तर हिन्दी

S. No.	Subject Code	Subject Name	Hrs./Week			Exam Hrs.	Maximum & Minimum Marks		
Theory			L	T	P		Internal/ Min. Pass Marks	External/ Min. Pass Marks	Total/Min. Pass Marks
1	**MHI-101**	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध –प्रथम सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रश्न पत्र– "आदिकालीन काव्य एवं निर्गुण काव्य"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
2	**MHI-102**	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध –प्रथम सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –द्वितीय प्रश्न पत्र– "आधुनिक हिन्दी काव्य – प्रथम"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
3	**MHI-103**	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध –प्रथम सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –तृतीय प्रश्न पत्र– "भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
4	**MHI-104**	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध –प्रथम सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रश्न पत्र– "हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
Total			**24**	**-**	**-**				**400**
Total Teaching Load			**24**						

L = Lecture, T = Tutorial, P = Practical

1. For Internal Assessment (IA) of the theory papers: Two Mid-Term Tests of 15 Marks and assignment of 15 Marks.
2. Institute can arrange a third Mid-Term Test as per the convenience of the students.
3. Passing Rules for M.A.Hindi Literature (2 Yr. Course)
   The result of a candidate will be worked out at the end of each Semester Examination. For a Pass, candidate must obtain marks for each theory.

(A)	**Theory Paper**	**Passing%**	**(B)**	**Practical / Sessionals**	**Passing%**
i	Internal Assessment	40 %	i	Practical (Internal)	--
ii	End Semester (M.A.)University Exam	40 %	ii	Practical (External)	-
iii	Total of (i) & (ii)	40 %	iii	Total of (i) & (ii)	--

स्नातकोत्तर हिन्दी
पूर्वार्द्ध
सेमेस्टर– I
विषय – हिन्दी साहित्य
–प्रथम प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-101
"आदिकालीन काव्य एवं निर्गुण काव्य"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	पृथ्वीराज रासो – चंदबरदाई (सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह) 'शशिव्रता विवाह प्रस्ताव : प्रारम्भ से 50 छंद तक।	30
II	(I) कीर्तिलता : विद्यापति (सं. शिवप्रसाद सिंह) केवल द्वितीय पल्लव (II) कीर्तिलता : विद्यापति (सं. शिवप्रसाद सिंह) कुल 20 पद (पद संख्या– 3, 4, 8, 9, 10, 11, 19, 26, 36, 48, 54, 56, 58, 60, 62, 78, 81, 82, 94, 95)	30
III	कबीर ग्रंथावली (सं. श्यामसुंदर दास) – साखी – विरह कौ अंग, कस्तूरियाँ मृग कौ अंग, कुल 20 पद (पद संख्या– 1, 2, 16, 23, 32, 39, 43, 55, 58, 59, 61, 64, 84, 92, 111, 159, 241, 344, 378, 402)	30
IV	जायसी ग्रंथावली (सं. श्यामसुंदर दास) सिंहलद्वीप वर्णन तथा नागमती –वियोग खंड	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी प्रथम सत्र का प्रथम प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इसमें तीन व्याख्या (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक तथा चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. आदिकालीन हिंदी साहित्य – डॉ. शम्भूनाथ पाण्डे
3. रासो विमर्श : माताप्रसाद गुप्त
4. पृथ्वीराज रासो : इतिहास का काव्य – राजमल बोरा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
5. पृथ्वीराज रासो की भाषा – नामवर सिंह
6. पृथ्वीराज रासउ – सं. माताप्रसाद गुप्त

7. चंदरबरदाई – शांता सिंह
8. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी , राजकमल, नयी दिल्ली कबीर : एक नई दृष्टि – रघुवंश।
9. कबीर – सं. विजयेन्द्र स्नातक राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
10. भये कबीर कबीर – डॉ. शुकदेव सिंह
11. कबीर वाङ्मय : सबद, साखी, रमैनी – डॉ. जयदेव सिंह, डॉ. वासुदेव सिंह
12. जायसी – रामपूजन तिवारी, नयी दिल्ली
13. जायसी – विजय देव नारायण साही
14. जायसी ग्रन्थावली – सं. रामचन्द्र शुक्ल, ना.प्र.स., काशी
15. पद्मावत – वासुदेव शरण अग्रवाल
16. पदमावत का काव्यार्थ – हनुमानप्रसाद शुक्ल, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
17. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
18. दादू – बलदेव बंशी, वाणी, नयी दिल्ली
19. 'रामानंद परम्परा के उद्‌गायक संत पीपाजी' – ललित शर्मा, श्री कावेरी शोध संस्थान, उज्जैन–34, केशव नगर, डॉ. हरिराम चौबे मार्ग, उज्जैन, म.प्र.
20. नाथपंथ और संत साहित्य – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
21. हिंदी के विकासक्रम में अपभ्रंश : डॉ. शक्तिदान चारण
22. हिंदी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – डॉ. श्यामसुंदर शुक्ल
23. मध्ययुगीन काव्य साधना – आचार्य रामचंद्र तिवारी
24. हिंदी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय – पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल
25. उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी

स्नातकोत्तर हिन्दी
पूर्वार्द्ध
सेमेस्टर– I
विषय – हिन्दी साहित्य
–द्वितीय प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-102
"आधुनिक हिन्दी काव्य – प्रथम"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	जयशंकर प्रसाद – श्रद्धा सर्ग (कामायनी)	30
II	सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला" – राम की शक्ति पूजा	30
III	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन "अज्ञेय" – असाध्य वीणा	30
IV	गजानन माधव "मुक्तिबोध" – अंधेरे में	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी प्रथम सत्र का द्वितीय प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इसमें तीन व्याख्या (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक तथा चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. साकेत - एक अध्ययन - डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
2. साकेत : विचार और विश्लेषण - वचन देव कुमार , लोक भारती, इलाहाबाद
3. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
4. कामायनी : एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध, राजकमल, नयी दिल्ली
5. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद
6. छन्द छन्द पर कुंकुम – वागीश शुक्ल, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. रीति विज्ञान – विद्या निवास मिश्र, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
8. अन्तस्तल का पूरा विप्लव : अँधेरे में – सं. निर्मला जैन, नयी दिल्ली
9. लम्बी कविताओं का रचना– विधान – नरेन्द्र मोहन, मैकमिलन, नयी दिल्ली
10. नंद दुलारे वाजपेयी – जयशंकर प्रसाद
11. रामविलास शर्मा – निराला की साहित्य साधना (भाग दो, तीन)
12. डॉ. नगेन्द्र – सुमित्रानंदन पंत

13. नामवर सिंह – छायावाद
14. जगदीश गुप्त – महादेवी वर्मा
15. रमेश चंद्र शाह – छायावाद की प्रासंगिकता
16. रामधारी सिंह "दिनकर" – पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त
17. डॉ. बच्चन सिंह – क्रांतिकारी कवि निराला
18. डॉ. प्रेम शंकर – प्रसाद का काव्य
19. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी – समकालीन हिंदी कविता
20. रामस्वरूप चतुर्वेदी – अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या

स्नातकोत्तर हिन्दी
पूर्वार्द्ध
सेमेस्टर– I
विषय – हिन्दी साहित्य
–तृतीय प्रष्न पत्र–
कोड सं. MHI-103
"भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	भाषा और भाषाविज्ञान – भाषा : परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा उत्पत्ति के सिद्धांत भाषा के रूप : बोली और भाषा के विधि रूप, भाषा –व्यवस्था और भाषा– व्यवहार। भाषाविज्ञान : परिभाषा, अंग, प्रकृति तथा अन्य अनुशासनों से संबंध। भाषाविज्ञान : सैद्धान्तिक एवं अनुप्रयुक्त भाषावैज्ञानिक अध्ययन की प्रणालियाँ : ऐतिहासिक, तुलनात्मक, वर्णनात्मक–संरचनात्मक भाषाओं का वर्गीकरण : आकृतिमूलक एवं पारिवारिक भाषावैज्ञानिक चिन्तन का इतिहास, प्रमुख भारतीय एवं पाश्चात्य भाषा–विचारक : पाणिनि, पतंजलि, भर्तृहरि, सस्यूर, ब्लूमफील्ड, चॉम्स्की।	30
II	ध्वनि / स्वन–विज्ञान प्रमुख अवधारणाएँ : स्वन, संस्वन, स्वनिम, स्वनगुण, वागावयव स्वन विज्ञान की शाखाएँ : औच्चारणिक (Articulatory), सांवहनिक (Acoustic), श्रावणिक (Auditory) स्वनों की वैज्ञानिकता और वर्गीकरण, मान स्वर, हिन्दी ध्वनियों (स्वनों) का स्वनवैज्ञानिक वर्गीकरण स्वनिमिक विश्लेषण और हिन्दी स्वनिम, स्वनिक परिवर्तन : कारण और प्रवृत्तियाँ, कुछ प्रसिद्ध ध्वनि / स्वन नियम	30
III	पद / रूप–विज्ञान अवधारणात्मक पद : शब्द और पद / रूप–विज्ञान और वाक्य विज्ञान, संरूप, रूपिम, व्याकरणिक कोटियाँ – लिंग, वचन, कारक, पुरुष, काल, वृत्ति, पक्ष, वाच्य। रूपिम–निर्धारण, रूपिमों के प्रकार, रूप–परिवर्तन : कारण और प्रवृत्तियाँ, हिन्दी शब्द–रचना, हिन्दी रूप–रचना वाक्य–विज्ञान–वाक्य की अवधारणाः अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य की आधार–आवश्यकताएँ वाक्य के भेद – वाक्य–विश्लेषण : वाक्यीय सम्बन्धों का विश्लेषण – विन्यासक्रमी और सहचारक्रमी, निकटस्थ अवयव–विश्लेषण, रूपान्तरण के नियम हिन्दी वाक्य–रचना	20
IV	अर्थ–विज्ञान अर्थ की अवधारणा : शब्द और अर्थ का सम्बन्ध अर्थ–बोध के साधन, अर्थ–निर्धारण की प्रक्रिया और आधार अर्थ–परिवर्तन की प्रवृत्तियाँ और कारण अर्थ–परिवर्तन की दिशाएँ	20
V	हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि (i) हिन्दी भाषा और उसकी संघटक बोलियाँ तथा उनके अन्तः सम्बन्धों का आधार हिन्दी भाषा के विविध रूप : सम्पर्क भाषा, साहित्य भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम और संचार भाषा, हिन्दी शब्द समूह और नयी शब्दावली का निर्माण हिन्दी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : वैदिक और लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश–अवहट्ट (ii) भाषा और लिपि का सम्बन्ध, भारतीय लिपियाँ और देवनागरी लिपि, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ और सीमाएँ, हिन्दी ध्वनियों (स्वरों) और देवनागरी लिपि का मानकीकरण	20

	(iii) अपभ्रंश–अवहट्ट, राजस्थानी, अवधी, ब्रज और खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।	
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी प्रथम सत्र का तृतीय प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, दो टिप्पणियाँ (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक तथा तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक, = **कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)

= कुल 15 अंक।

टिप्पणियाँ और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रन्थ :

1. भाषाविज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. आधुनिक भाषाविज्ञान – राजमणि शर्मा, वाणी, नयी दिल्ली
3. भाषाविज्ञान – सं. राजमल बोरा , नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
4. भाषाशास्त्र के सूत्रधार – सं. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
5. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
6. हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास – उदयनारायण तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
7. हिन्दी : उद्भव, विकास और रूप – हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद
8. हिंदी के विकासक्रम में अपभ्रंश : डॉ. शक्तिदान चारण
9. अपभ्रंश साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : डॉ. शक्तिदान चारण
10. मध्यकालीन हिंदी साहित्य का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन : डॉ. शक्तिदान चारण
11. भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
12. हिन्दी भाषा और उसका विकास – हनुमानप्रसाद शुक्ल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
13. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. विवेक शंकर, कोटा
14. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. पुरानी हिंदी – चंद्रधर शर्मा गुलेरी, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
16. हिंदी शब्दानुशासन – किशोरीदास वाजपेयी, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
17. भारतीय आर्य भाषा और हिंदी – सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, वाराणसी
18. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र – कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
19. हिंदी भाषा : विकास और स्वरूप – कैलाश चंद्र भाटिया, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली

स्नातकोत्तर हिन्दी
पूर्वार्द्ध
सेमेस्टर– I
विषय – हिन्दी साहित्य
–तृतीय प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-104
"हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	आदिकाल– हिंदी साहित्येतिहास के लेखन का इतिहास, हिंदी के विकासक्रम में अपभ्रंश : डॉ. शक्तिदान चारण,	30
II	काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्यधाराएँ – सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता,	30
III	अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति की कीर्तिलता और पदावली, आदिकालीन हिंदी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।	20
IV	भक्ति आन्दोलन : सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आन्दोलन और लोक जागरण, भक्ति की प्रमुख धाराएँ एवं उनकी शाखाएँ, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।	20
V	भारत में सूफीमत का उदय और विकास, सूफीमत के सिद्धान्त, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएँ।	20
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी प्रथम सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियाँ (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
टिप्पणियाँ और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ–

3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
4. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, नयी दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, नयी दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्, पटना

7. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास –रामकुमार वर्मा, रामनारायण अग्रवाल एवं संस, इलाहाबाद
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती इलाहाबाद
9. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास – विजयेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
11. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
12. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह, लोकभारती इलाहाबाद।
13. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
14. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं0 नगेन्द्र, मयूरपेपर बैक्स, नोएडा।
15. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. विवेक शंकर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
16. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–एक) – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
17. साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्, पटना
18. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय, पिपुल्स लिटरेसी, दिल्ली।
19. हिंदी के विकासक्रम में अपभ्रंश : डॉ. शक्तिदान चारण
20. अपभ्रंश साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : डॉ. शक्तिदान चारण
21. साहित्यिक निबंध – त्रिभुवन सिंह।
22. आदिकालीन हिंदी साहित्य – शम्भुनाथ पाण्डेय।
23. गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में – नागेन्द्रनाथ उपाध्याय।
24. बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य – नागेन्द्रनाथ उपाध्याय।

पूर्वार्द्ध   द्वितीय सत्र

स्नातकोत्तर हिन्दी

S. No.	Subject Code	Subject Name	Hrs./Week			Exam Hrs.	Maximum & Minimum Marks		
Theory			L	T	P		Internal/ Min. Pass Marks	External/ Min. Pass Marks	Total/Min. Pass Marks
1	MHI-201	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध –द्वितीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रश्न पत्र– "मध्यकालीन हिन्दी काव्य"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
2	MHI-202	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध –द्वितीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –द्वितीय प्रश्न पत्र– "कथेतर गद्य विधाएँ"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
3	MHI-203	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध –द्वितीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –तृतीय प्रश्न पत्र– "हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल)"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
4	MHI-204	स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध –द्वितीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रश्न पत्र– "हिन्दी कहानी"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
Total			**24**	**-**	**-**				**400**
Total Teaching Load			**24**						

L = Lecture, T = Tutorial, P = Practical

1. For Internal Assessment (IA) of the theory papers: Two Mid-Term Tests of 15 Marks and assignment of 15 Marks.
2. Institute can arrange a third Mid-Term Test as per the convenience of the students.
3. Passing Rules for M.A. Hindi Literature (2 Yr. Course)
   The result of a candidate will be worked out at the end of each Semester Examination. For a Pass, candidate must obtain marks for each theory.

(A)	Theory Paper	Passing%	(B)	Practical / Sessionals	Passing%
i	Internal Assessment	40 %	i	Practical (Internal)	--
ii	End Semester (M.A.)University Exam	40 %	ii	Practical (External)	--
iii	Total of (i) & (ii)	40 %	iii	Total of (i) & (ii)	--

स्नातकोत्तर हिन्दी
पूर्वार्द्ध
सेमेस्टर– II
विषय – हिन्दी साहित्य
–प्रथम प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-201
"मध्यकालीन हिन्दी काव्य"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	सूरदास – **भ्रमरगीतसार** (पद सं. 21 से 60 तक) – सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल	30
II	तुलसीदास – **रामचरितमानस** (अयोध्याकाण्ड : दोहा सं. – 253 से 288 तक) – सम्पादक : माता प्रसाद गुप्त	30
III	बिहारीलाल – **बिहारी रत्नाकर**– प्रारम्भ के 50 दोहे – सम्पादक : जगन्नाथदास रत्नाकर	20
IV	घनानन्द – **घनानन्द कवित्त** (प्रारम्भ के 30 छंद) – सम्पादक : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	20
V	मीराबाई – **मीरां पदावली** (प्रारम्भ के 30 पद) – सम्पादक : शम्भुसिंह मनोहर	20
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी द्वितीय सत्र का प्रथम प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इसमें तीन व्याख्या (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक तथा चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक, **=कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. महाकवि सूरदास – नन्ददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
3. सूर साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई
4. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय, वाणी, नयी दिल्ली
5. सूरदास – सं. हरवंशलाल शर्मा – राधाकृष्ण , नयी दिल्ली
6. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. गोसाईं तुलसीदास – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
8. तुलसी आधुनिक वातायन से – रमेश कुंतल मेघ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

9. तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. लोकवादी तुलसी – विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. बिहारी : नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
12. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
13. मीराबाई – श्रीकृष्णलाल, आनंद पुस्तक भवन, वाराणसी
14. मीरा एक पुनर्मूल्यांकन – सं. पल्लव, आधार प्रकाशन, पंचकूला
15. मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
16. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा – मनोहर लाल गौड़, वाराणसी
17. घनानन्द – लल्लन राय, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
18. घनानन्द : काव्य और आलोचना – किशोरी लाल, साहित्य भवन (प्रा0) लि0 इलाहाबाद।
19. परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
20. भक्तिकाव्य और लोक जीवन – शिवकुमार मिश्र, दिल्ली
21. भक्तिकाव्य की भूमिका – प्रेमशंकर, नई दिल्ली
22. भक्तिकाल में भारतीय रहस्यवाद – राधेश्याम दूबे, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
23. मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ. रामचंद्र तिवारी।

स्नातकोत्तर हिन्दी
पूर्वार्द्ध
सेमेस्टर– II
विषय – हिन्दी साहित्य
–द्वितीय प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-202
"कथेतर गद्य विधाएँ"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	1. रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग–1) (निबंध – भाव या मनोविकार, करुणा, कविता क्या है, लोकमंगल की साधनावस्था) 2. सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला" – वसंत का अग्रदूत	30
II	1. हजारी प्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल (निबंध – अशोक के फूल, बसंत आ गया है, भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है) 2. हजारी प्रसाद द्विवेदी– बीसवीं सदी का बाणभट्ट	30
III	1. जयशंकर प्रसाद – स्कन्दगुप्त 2. अज्ञेय – स्मृतिलेखा	30
IV	1. राष्ट्र कवि (मैथिलीशरण गुप्त) 2. समय – सूर्य (रामधारी सिंह "दिनकर")	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे　　　　　　　　　　　　　　　　　　　**पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी द्वितीय सत्र का द्वितीय प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इसमें तीन व्याख्या (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक तथा चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट) –
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक) **= कुल 15 अंक।**
व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. रामचंद्र शुक्ल – मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य – चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
5. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
6. पहला रंग – देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

7. हिंदी का गद्य साहित्य– रामचंद्र तिवारी
8. रंग परम्परा – नेमिचंद्र जैन
9. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा
10. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगतराम एण्ड संस, दिल्ली
11. समकालीन हिंदी निबंध – कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
12. जयशंकर प्रसाद – रंगदृष्टि – रा. ना. वि. नई दिल्ली
13. समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना – गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
14. नाटक और रंग परिकल्पना – डॉ. गिरीश रस्तोगी
15. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी।

स्नातकोत्तर हिन्दी
पूर्वार्द्ध
सेमेस्टर– II
विषय – हिन्दी साहित्य
–तृतीय प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-203
"हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल)"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्रोत, प्रमुख रीति कवि, रीतिमुक्त काव्यधारा एवं प्रमुख कवि, रीतिकाल की सामान्य विशेषताएँ।	30
II	1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिंदी नवजागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल, 19वीं शताब्दी की हिंदी की प्रमुख पत्र–पत्रिकाएँ, भारतेन्दु कालीन साहित्य की विशेषताएँ,	30
III	महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।	20
IV	हिंदी में गद्य विधाओं का उदय और विकास – उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंध का विकास। प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद और रामचंद्र शुक्ल का हिंदी गद्य के विकास में योगदान, स्वातन्त्र्योत्तर हिंदी उपन्यास और कहानी। समकालीन कहानी और कविता।	20
V	रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रावृतांत, आत्मकथा आदि विधाओं का विकास।	20
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी द्वितीय सत्र का तृतीय प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, दो टिप्पणियाँ (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक तथा तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक, = **कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
टिप्पणियाँ और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :
1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, नयी दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, नयी दिल्ली

4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्, पटना
5. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–एक) – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं0 नगेन्द्र, मयूरपेपर बैक्स, नोएडा।
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद
8. साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्, पटना
9. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय, पिपुल्स लिटरेसी, दिल्ली।
11. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद।
12. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास –रामकुमार वर्मा, रामनारायण अग्रवाल एवं संस, इलाहाबाद
13. हिन्दी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती इलाहाबाद
14. हिन्दी साहित्य का इतिहास – विजयेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
15. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह, लोकभारती इलाहाबाद।
16. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
17. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. विवेक शंकर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
18. हिंदी साहित्य का कालक्रमानुसार इतिहास : डॉ. शक्तिदान चारण
19. साहित्यिक निबंध – त्रिभुवन सिंह।

स्नातकोत्तर हिन्दी
पूर्वार्द्ध
सेमेस्टर– II
विषय – हिन्दी साहित्य
–तृतीय प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-204
"हिन्दी कहानी"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	1. प्रेमचंद – **कफन** 2. जयशंकर प्रसाद – **ममता**	30
II	3. चंद्रधर शर्मा गुलेरी – **उसने कहा था** 4. अज्ञेय – **गैंग्रीन**	30
III	5. अमरकान्त – **जिन्दगी और जोंक** 6. निर्मल वर्मा – **परिन्दे**	20
IV	**7.** फणीश्वरनाथ रेणु – **तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम** 8. भीष्म साहनी – **चीफ की दावत**	20
V	9. कमलेश्वर – **राजा निरबंसिया** 10. शिवप्रसाद सिंह – **नन्हों** **तथा हिंदी कहानी का विकास एवं विविध आन्दोलन।**	20
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी द्वितीय सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक तथा तीन व्याख्याएँ (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक, = **कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. नामवर सिंह : कहानी : नई कहानी, लोक भारती, इलाहाबाद, 1982
2. राजेन्द्र यादव : एक दुनिया समानान्तर (संपादित) राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 1993
3. राजेन्द्र यादव : नई कहानी संवेदना और स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
4. मधुरेश : नई कहानी : पुनर्विचार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
5. मधुरेश : हिंदी कहानी : अस्मिता की तलाश, आधार प्रकाशन, पंचकूला

6. मार्कण्डेय : कहानी की बात, लोक भारती, इलाहाबाद।
7. डॉ. देवेश ठाकुर : हिंदी की पहली कहानी, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ, 1977
8. कमलेश्वर : नई कहानी की भूमिका, शब्दकार, दिल्ली, 1991
9. डॉ. इन्द्रनाथ मदान : हिंदी कहानी : पहचान और परख, लिपि प्रकाशन, दिल्ली, 1973
10. सं. देवीशंकर अवस्थी : नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1966
11. विजय मोहन सिंह : आज की कहानी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 1983
12. विश्वनाथ त्रिपाठी : कुछ कहानियाँ कुछ विचार, दिल्ली, 1988
13. डॉ. बलराज पाण्डेय : नई कहानी आन्दोलन की भूमिका, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद, 1989
14. सुरेन्द्र चौधरी – हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
15. रामविलास शर्मा : प्रेमचन्द और उनका युग, राजकमल, नयी दिल्ली
16. सं. राजेश्वर गुरू : गोदान, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
17. चन्द्रकान्त म. बान्दिवडेकर : कथाकार अज्ञेय – हरियाणा साहित्य अकादमी चंडीगढ़

SHRI JAGDISHPRASAD JHABARMAL TIBREWALA UNIVERSITY, CHUDELA, JHUNJHUNU RAJASTHAN

INSTITUTE OF LANGUAGES
TEACHING AND EXAMINATION SCHEME AND DETAILED SYLLABUS FOR
M.A. HINDI (FINAL)
ACADEMIC SESSION 2015 And Onwards

अनुक्रमणिका

S. No.	Subject Code	Subject Name	Page No.
1	--	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष – तृतीय सत्र	4-30
2	--	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष – चतुर्थ सत्र	31-54
3	MHI-301	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रष्न पत्र– "हिन्दी उपन्यास"	6-7
4	MHI-302	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –अंतिम प्रष्न पत्र– "आधुनिक हिन्दी काव्य – अंतिम"	8-9
5	MHI-303	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –तृतीय प्रष्न पत्र– "भारतीय काव्यशास्त्र"	10-11
6	MHI-304 (A 01)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "अपभ्रंश : भाषा एवं साहित्य"	12-13
7	MHI-304 (A 02)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "कबीरदास"	14-15
8	MHI-304 (A 03)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "सूरदास"	16-17
9	MHI-304 (A 04)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "जयशंकर प्रसाद"	18-19
10	MHI-304 (A 05)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला""	20
11	MHI-304 (A 06)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "पत्रकारिता और जनसंचार"	21-22
12	MHI-304 (A 07)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "लोक साहित्य"	23-24
13	MHI-304 (A 08)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "अनुवाद : सिद्धान्त और प्रविधि"	25-26
14	MHI-304 (A 09)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "स्त्री लेखन"	27-28
15	MHI-304 (A 10)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "प्रयोजनमूलक हिन्दी"	29-30
16	MHI-401	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रष्न पत्र– "हिन्दी आलोचक और आलोचना"	33-34
17	MHI-402	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –अंतिम प्रष्न पत्र– "पाष्चात्य आलोचना"	35-36
18	MHI-403	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –तृतीय प्रष्न पत्र– "हिन्दी नाटक और रंगमंच"	37
19	MHI-404 (B 01)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "तुलसीदास"	38-39
20	MHI-404 (B 02)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "भारतेन्दु हरिष्चन्द्र"	40
21	MHI-404 (B 03)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र–	41-42

		"प्रेमचन्द"	
22	MHI-404 (B 04)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "रामचन्द्र शुक्ल"	43-44
23	MHI-404 (B 05)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "राजस्थानी भाषा और साहित्य"	45-46
24	MHI-404 (B 06)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "हिन्दी सिनेमा"	47-48
25	MHI-404 (B 07)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "दलित साहित्य"	49-50
26	MHI-404 (B 08)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "संत काव्य"	51-52
27	MHI-404 (B 09)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "आधुनिक भारतीय साहित्य"	53-54

स्नातकोत्तर हिन्दी

S. No.	Subject Code	Subject Name	Hrs./Week			Exam Hrs.	Maximum & Minimum Marks		
			L	T	P		Internal/ Min. Pass Marks	External/ Min. Pass Marks	Total/Min. Pass Marks
Theory									
1	MHI-301	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रश्न पत्र– "हिन्दी उपन्यास"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
2	MHI-302	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –अंतिम प्रश्न पत्र– "आधुनिक हिन्दी काव्य – अंतिम"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
3	MHI-303	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –तृतीय प्रश्न पत्र– "भारतीय काव्यशास्त्र"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
4	MHI-304 (A 01)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रश्न पत्र– "अपभ्रंश : भाषा एवं साहित्य"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
5	MHI-304 (A 02)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रश्न पत्र– "कबीरदास"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
6	MHI-304 (A 03)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रश्न पत्र– "सूरदास"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
7	MHI-304 (A 04)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रश्न पत्र– "जयशंकर प्रसाद"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
8	MHI-304 (A 05)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रश्न पत्र– "सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला""	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
9	MHI-304 (A 06)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रश्न पत्र– "पत्रकारिता और जनसंचार"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
10	MHI-304 (A 07)	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रश्न पत्र– "लोक साहित्य"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40

11	**MHI-304 (A 08)**	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रश्न पत्र– "अनुवाद : सिद्धान्त और प्रविधि"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
12	**MHI-304 (A 09)**	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रश्न पत्र– "स्त्री लेखन"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
13	**MHI-304 (A 10)**	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –तृतीय सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रश्न पत्र– "प्रयोजनमूलक हिन्दी"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
Total			**24**	**-**	**-**	**-**			**400**
Total Teaching Load			**24**						

L = Lecture, T = Tutorial, P = Practical

4. For Internal Assessment (IA) of the theory papers: Two Mid-Term Tests of 15 Marks and assignment of 15 Marks.
5. Institute can arrange a third Mid-Term Test as per the convenience of the students.
6. Passing Rules for M.A. Hindi Literature (2 Yr. Course)
   The result of a candidate will be worked out at the end of each Semester Examination. For a Pass, candidate must obtain marks for each theory.

(A)	**Theory Paper**	**Passing%**	**(B)**	**Practical / Sessionals**	**Passing%**
i	Internal Assessment	40 %	i	Practical (Internal)	--
ii	End Semester (BA)University Exam	40 %	ii	Practical (External)	--
iii	Total of (i) & (ii)	40 %	iii	Total of (i) & (ii)	--

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– III
विषय – हिन्दी साहित्य
–प्रथम प्रष्न पत्र–
कोड सं. MHI-301
"हिन्दी उपन्यास"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	प्रेमचंद : गोदान	30
II	अज्ञेय : शेखर एक जीवनी (भाग–1, भाग–2)	30
III	हजारी प्रसाद द्विवेदी : बाणभट्ट की आत्मकथा	30
IV	फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आँचल	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे　　　　　　　　　　**पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी तृतीय सत्र का प्रथम प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इसमें तीन व्याख्या (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक तथा चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक, = **कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक) **= कुल 15 अंक।**

व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. डॉ. गोपाल राय : गोदान : नया परिप्रेक्ष्य, अनुपम प्रकाशन, पटना, 2000
2. राजेश्वर गुरू (सं.) : गोदान, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
3. सत्यप्रकाश मिश्र (सं.) : गोदान का महत्व, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद, 1992
4. रामविलास शर्मा : प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1989
5. हंसराज रहबर : प्रेमचंद व्यक्तित्व और कृतित्व, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली, 1962
6. कथाकार अज्ञेय – चन्द्रकान्त म. बान्दिवडेकर, हरियाणा साहित्य अकादमी चंडीगढ़
7. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
8. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
9. नेमिचंद जैन : अधूरे साक्षात्कार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1989
10. विजय मोहन सिंह : कथा समय, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली, 1983
11. ज्ञानचंद जैन : प्रेमचंद पूर्व के हिंदी उपन्यास, आर्य प्रकाशन मंडल, दिल्ली, 1983
12. मधुरेश : हिंदी उपन्यास का विकास, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद, 1988

13. गोपाल राय : अज्ञेय और उसके उपन्यास, ग्रंथ निकेतन, पटना, 1984
14. परमानन्द श्रीवास्तव (सं.) : शेखर एक जीवनी का महत्व, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद,
15. डॉ. राजकमल राय (सं.) : शेखर एक जीवनी विविध आयाम, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
16. ज्योतिष जोशी : उपन्यास की समकालीनता, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– III
विषय – हिन्दी साहित्य
–अंतिम प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-302
"आधुनिक हिन्दी काव्य – अंतिम"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	1. नागार्जुन : कालिदास, सिन्दु तिलकित भाल, अकाल और उसके बाद 2- भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फरोश, कहीं नहीं बचे, गाँव	30
II	3. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : सुहागिन का गीत, सौन्दर्य बोध, सूखे पीले पत्तों ने कहा 4- विजयदेव नारायण साही : अलविदा, मछलीघर	30
III	5. कुंवर नारायण : नचिकेता, ये पंक्तियाँ मेरे निकट 6- धूमिल : मोचीराम, सुदूर पूर्व में, प्रौढ़ शिक्षा	30
IV	7- केदारनाथ सिंह : फर्क नहीं पड़ता, सह अग्नि किरीट मस्तक	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी तृतीय सत्र का अंतिम प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इसमें तीन व्याख्या (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक तथा चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथः
21. केदारनाथ सिंह : मेरे समय के शब्द
22. अरूण कमल : कविता और समाज
23. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : समकालीन हिंदी कविता
24. जगदीश गुप्त : नयी कविता : स्वरूप और समस्याएँ
25. रामस्वरूप चतुर्वेदी : कविता यात्रा
26. परमानंद श्रीवास्तव : समकालीन कविता का यथार्थ
27. रामकली सर्राफ : समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ
28. नामवर सिंह : कविता के नये प्रतिमान

29. नन्दकिशोर नवल : समकालीन काव्य यात्रा
30. नन्दकिशोर नवल – कविता : पहचान और संकट
31. अशोक वाजपेयी : कवि कह गया है
32. राजेश जोशी : एक कवि की नोट बुक

स्नातकोत्तर हिन्दी

अंतिम वर्ष

सेमेस्टर– III

विषय – हिन्दी साहित्य

–तृतीय प्रश्न पत्र–

कोड सं. MHI-303

"भारतीय काव्यशास्त्र"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	1. काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय 2. काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन	20
II	3. रस सिद्धान्त – रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण	20
III	4. ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का विचार स्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धान्त का महत्व	20
IV	5. अलंकार सिद्धान्त – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय	15
V	6. रीति सिद्धान्त – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण	15
VI	7. वक्रोक्ति सिद्धान्त – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद, वक्रोक्ति का महत्व	15
VII	8. औचित्य सिद्धान्त – औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्व	15
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी तृतीय सत्र का तृतीय प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, दो टिप्पणियाँ (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक तथा तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक, **= कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)

= कुल 15 अंक।

टिप्पणियाँ और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुशंसित ग्रंथ :

20. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश त्र्यम्बक देशपांडे, पापुलर बुक डिपो, पूना
21. रसमीमांसा : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
22. संस्कृत आलोचना : बलदेव उपाध्याय
23. रस प्रक्रिया : शंकरदेव अवतरे, दिल्लीः

24. हिस्ट्री आफ संस्कृत पोएटिक्स : पी.बी.काणे, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
25. काव्य शास्त्र की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
26. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
27. ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धान्त : भोलाशंकर व्यास, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
28. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
29. भारतीय काव्य विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
30. भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परम्परा : राधावल्लभ त्रिपाठी
31. ध्वन्यालोक : आचार्य चण्डिका प्रसाद शुक्ल
32. हिंदी छंदानुशासन : डॉ. शक्तिदान चारण
33. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास भाग –2 : सुशील कुमार डे, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना (अप्राप्य)
34. भारतीय काव्यशास्त्र – सं. उदयभानु सिंह, राजेश प्रकाशन, नयी दिल्ली
35. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
36. पाश्चात्य साहित्य–चिन्तन – निर्मला जैन – कुसुम बाँठिया, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
37. साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ – सं. उदयभानु सिंह आदि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
38. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र –गोपीचन्द नारंग, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
39. काव्य शास्त्र : डॉ. विवेक शंकर : राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– III
विषय – हिन्दी साहित्य
–चतुर्थ प्रष्न पत्र–
कोड सं. MHI-304 (A 01)
"अपभ्रंश : भाषा एवं साहित्य"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	1. सरहपा : प्रारम्भ से 12 दोहे	20
II	2. स्वयंभू : सम्पूर्ण	20
III	3. अब्दुर्रहमान : प्रारम्भ से 16 छंद	20
IV	4. हेमचंद्र सूरि : प्रारम्भ से 20 छंद	15
V	5. विनयचंद्र सूरि : सम्पूर्ण	15
VI	6. विद्यापति : कीर्तिलता (प्रथम तथा अंतिम पल्लव)	15
VII	7. अपभ्रंश व्याकरण : अपभ्रंश रचना सौरभ, लेखक – डॉ. कमलचंद सौगाणी, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर नोट : 1 से 5 तक पाठ्यांश "अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा" रा. ना. मा. की पुस्तक से निर्धारित है।	15
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी प्रथम सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियाँ (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
टिप्पणियाँ और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. हिंदी काव्यधारा : राहुल सांकृत्यायन
2. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग : डॉ. नामवर सिंह लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. अपभ्रंश भाषा का अध्ययन : डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्तव
4. अपभ्रंश साहित्य : हरिवंश कोछड़
5. प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य तथा उनका हिंदी साहित्य पर प्रभाव : डॉ. रामसिंह तोमर, हिंदी परिषद् प्रकाशन, इलाहाबाद

6. अपभ्रंश भाषा और साहित्य : राजमणि शर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ
7. अपभ्रंश और अवहट्ट – एक अन्तर्यात्रा : शम्भूनाथ पाण्डेय
8. अपभ्रंश साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : डॉ. शक्तिदान चारण
9. हिंदी के विकासक्रम में अपभ्रंश : डॉ. शक्तिदान चारण

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– III
विषय – हिन्दी साहित्य
–चतुर्थ प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-304 (A 02)
"कबीरदास"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	कबीर ग्रंथावली : (संपादक– श्यामसुन्दर दास) नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।	30
II	निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग।	20
III	चाणक कौ अंग।	20
IV	सुरातन कौ अंग।	20
V	कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (पद संख्या – 35, 41, 42, 55, 57, 66, 69, 94, 104, 108, 110, 123, 130, 153, 160, 165, 166, 173, 191, 193, 199, 207, 218, 247, 249)	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी तृतीय सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियाँ (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **= कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।

टिप्पणी और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. संत कबीर : रामकुमार वर्मा
2. कबीर साहित्य की परख : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
3. कबीर : डॉ. वासुदेव सिंह
4. बीजक का भाषा शास्त्रीय अध्ययन : डॉ. शुकदेव सिंह
5. कबीर–मीमांसा : रामचंद्र तिवारी
6. कबीर की विचारधारा : गोविन्द त्रिगुणायत
7. कबीर की खोज : राजकिशोर (सं.)
8. कबीर : पुनर्मुल्यांकन : बलदेव वंसी
9. कबीर : विजेन्द्र स्नातक

10. बाज भी, कपोत भी, पपीहा भी : धर्मवीर
11. कबीर के आलोचक : धर्मवीर
12. भक्ति का संदर्भ : देवीशंकर अवस्थी
13. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी
14. हिंदी साहित्य का कालक्रमानुसार इतिहास : डॉ. शक्तिदान चारण
15. सूफी मत : साधना और साहित्य : रामपूजन तिवारी
10. अकथ कहानी प्रेम की : पुरूषोत्तम अग्रवाल़

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– III
विषय – हिन्दी साहित्य
–चतुर्थ प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-304 (A 03)
"सूरदास"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	कृष्णभक्ति काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ,	20
II	सूरदास का जीवन–वृत्त, सूरसागर : प्रतिपाद्य और मौलिकता, साहित्य–लहरी : प्रतिपाद्य एवं प्रामाणिकता, सूर–सारावली : प्रतिपाद्य एवं प्रामाणिकता।	30
III	सूर की भक्ति भावना, दार्शनिक चेतना, सौंदर्य–दृष्टि, वात्सल्य एवं श्रंगार, अध्यात्म : ज्ञान और प्रेम, सूरकाव्य में ब्रज संस्कृति और लोकतत्व।	30
IV	सूरसागर– सार : धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा.लि. जीरो रोड़, इलाहाबाद द्वारा संपादित एवं प्रकाशित।	10
V	पाठ्यांश – विनय भक्ति, गोकुललीला, वृन्दावनलीला, राधाकृष्ण तथा उद्धव–संदेश।	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी तृतीय सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियाँ (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
टिप्पणी और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी : सूरसाहित्य
2. नंददुलारे वाजपेयी : महाकवि सूरदास
3. ब्रजेश्वर वर्मा : सूरदास
4. हरबंशला शर्मा : सूरदास
5. रामचंद्र शुक्ल : सूरदास

6. मुंशीराम शर्मा "सोम" : सूर–सौरभ, आचार्य शुक्ल साधाना मंदिर, दिल्ली
7. मैनेजर पांडे : कृष्णकाव्य की परम्परा और सूरदास का काव्य
8. दीनदयालु गुप्त : अष्टछाप और वल्लभ संप्रदाय, लखनऊ वि.वि. प्रकाशन, लखनऊ
9. प्रेमनारायण टंडन : ब्रजभाषा सूरकोश, लखनऊ वि.वि. प्रकाशन, लखनऊ
10. प्रभुदयाल मित्तल : साहित्य–लहरी, साहित्य संस्थान, मथुरा

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– III
विषय – हिन्दी साहित्य
–चतुर्थ प्रष्न पत्र–
कोड सं. MHI-304 (A 04)
"जयशंकर प्रसाद"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	आँसू (सम्पूर्ण) लहर – प्रलय की छाया, अशोक की चिंता, पेशोला की प्रतिध्वनि, शेरसिंह का शस्त्र–समर्पण	20
II	अजातशत्रु जनमेजय का नागयज्ञ	25
III	कामना चंद्रगुप्त	25
IV	कंकाल तितली	25
V	कहानी : भिखारिन, प्रतिध्वनि, चूड़ीवाली, देवदासी, बिसाती, आँधी, मधुआ, बेड़ी, नीरा, व्रतभंग, गुंडा, विराम–चिह्न , सलीम, सालवती, देवरथ। काव्य कला तथा अन्य निबंध।	25
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी तृतीय सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियाँ (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
टिप्पणी और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. जयशंकर प्रसाद : आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी, लोकभारती, इलाहाबाद
2. नया साहित्य – नये प्रश्न : आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
3. जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला – डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल,
4. प्रसाद और उनका साहित्य : विनोद शंकर व्यास

5. प्रसाद का काव्य : डॉ. प्रेम शंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद
6. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. प्रसाद का जीवन साहित्य : डॉ. रामरतन भटनागर
8. हिंदी नाटक : डॉ. बच्चन सिंह
9. प्रसाद का गद्य साहित्य : डॉ. राजमणि शर्मा
10. प्रसाद : दुखान्त नाटक – डॉ. राधाकृष्ण शुक्ल श्रीमुख
11. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान : डॉ. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगतराम एंड संस, दिल्ली
12. हिंदी उपन्यास : आचार्य रामचंद्र तिवारी
13. आधुनिक हिंदी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचंद्र तिवारी
14. हिंदी का गद्य साहित्य : आचार्य रामचंद्र तिवारी
15. जयशंकर प्रसाद – रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
16. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
17. प्रसाद के नाटक – सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
18. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
19. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद
20. कामायनी–एक पुनर्विचार – गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल, नयी दिल्ली

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– III
विषय – हिन्दी साहित्य
–चतुर्थ प्रष्न पत्र–
कोड सं. MHI-304 (A 05)
"सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला""
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	काव्य – अनामिका, गीतिका, तुलसीदास, नये पत्ते	30
II	कथा साहित्य – बिल्लेसुर बकरिहा,	25
III	चतुरी चमार,	20
IV	देवी	20
V	निबंध – प्रबंध प्रतिमा	25
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी तृतीय सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियाँ (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
टिप्पणी और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. रामविलास शर्मा : राग–विराग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. रामविलास शर्मा : निराला, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना (भाग–1 से तीन), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. नंददुलारे वाजपेयी : कवि निराला, वाराणसी
5. बच्चन सिंह : क्रांतिकारी कवि निराला, वाराणसी
6. गंगाप्रसाद पाण्डेय : महाराणा निराला, इलाहाबाद
7. दूधनाथ सिंह : निराला : एक आत्महंता आस्था, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. परमानंद श्रीवास्तव : निराला की कविताएं, इलाहाबाद
9. इन्द्रनाथ मदान : निराला : एक मूल्यांकन, इलाहाबाद
10. जानकी वल्लभ शास्त्री : निराला के पत्र, दिल्ली
11. निराला : पंत और पल्लव, लखनऊ

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– III
विषय – हिन्दी साहित्य
–चतुर्थ प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-304 (A 06)
"पत्रकारिता और जनसंचार"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	**हिंदी पत्रकारिता :** पत्रकारिता की परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व, पत्रकारिता का इतिहास। पत्रकारिता की विधाएं – प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया। मुक्त प्रेस की अवधारणा, प्रेस कानून और आचार–संहिता। लोकतंत्र का चतुर्थ स्तम्भ : पत्रकारिता।	40
II	**जनसंचार :** जनसंचार – परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व। संचार – परिभाषा, प्रकृति, महत्व एवं प्रकार, जनसंचार के सिद्धान्त। जनसंचार के माध्यम – प्रिंट मीडिया, एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया, परम्परागत माध्यम जनसंचार एवं विकास।	40
III	**रिपोर्टिंग और सम्पादन :** समाचार पत्र संगठन की संरचना (सम्पादकीय, प्रबंधन एवं प्रसार की रूपरेखा)	40
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी तृतीय सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियाँ (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
टिप्पणी और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास : अर्जुन तिवारी।
2. पत्रकारिता एवं संपादन कला : एन. सी. पंत।
3. हिंदी पत्रकारिता : डॉ. धीरेन्द्रनाथ सिंह
4. समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे : राजकिशोर

5. जनसम्पर्क एवं विज्ञापन : संतोष गोयल
6. पत्रकारिता की चुनौतियाँ : गणेश मंत्री
7. रूपक लेखन : ब्रजभूषण सिंह

स्नातकोत्तर हिन्दी

अंतिम वर्ष

सेमेस्टर– III

विषय – हिन्दी साहित्य

–चतुर्थ प्रश्न पत्र–

कोड सं. MHI-304 (A 07)

"लोक साहित्य"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएं।	20
II	भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण, लोकगीत, लोकनाट्य, लोक गाथा, लोकनृत्य एवं नाट्य लोकसंगीत।	20
III	लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत,ऋतुगीत, जातिगीत।	20
IV	लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियां, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी, कथकली।	20
V	हिंदी लोक नाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिंदी नाटक एवं रंगमंच पर लोक नाट्यों का प्रभाव। लोक साहित्य की मौखिक परम्परा।	20
VI	लोक कथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग–कथा, कथारूढ़ियां और अंधविश्वास।	10
VII	लोक भाषा : लोक संभाषित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियां, पहेलियां।	10
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी तृतीय सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियाँ (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **= कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।

टिप्पणी और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथः

1. बद्रीनारायण : लोकसंस्कृति में राष्ट्रवाद, राधाकृष्ण, नई दिल्ली
2. बद्रीनारायण : संस्कृति का गद्य, पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

3. बद्रीनारायण : साहित्य और सामाजिक परिवर्तन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. बद्रीनारायण : लोक संस्कृति और इतिहास कथा रूप इतिहास पुस्तिकाक्रम, इलाहाबाद
5. श्यामचरण दुबे : परम्परा, इतिहास बोध और संस्कृति, राधाकृष्ण, नई दिल्ली
6. श्यामचरण दुबे : संक्रमण की पीड़ा, राधाकृष्ण, नई दिल्ली
7. श्यामचरण दुबे : समय और संस्कृति, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. डॉ. सत्येन्द्र : लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी, आगरा
9. अर्नाल्ड हाउजर : कला का इतिहास दर्शन, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
10. टी. डब्ल्यू एर्डोनो : संस्कृति उद्योग, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
11. कुंदनलाल उप्रेती : लोक साहित्य के प्रतिमान, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़
12. डॉ. श्रीराम शर्मा : लोक साहित्य सिद्धान्त प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
13. डॉ. रवीन्द्र भ्रमर : लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य सदन, कानपुर
14. डॉ. दुर्गा भागवत : भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा, विभु प्रकाशन दिल्ली
15. डॉ. श्याम परमार : लोक साहित्य विमर्श, कृष्णा ब्रदर्स, अजमेर
16. दीनेश्वर प्रसाद : लोक साहित्य और संस्कृति, लोकभारती, इलाहाबाद
17. सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयोग, हिंदी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद
18. सापेक्ष, लोक साहित्य विशेषांक, सं. महावीर अग्रवाल, दुर्ग, मध्य प्रदेश
19. मडई के अंक, सं. डॉ. कालीचरण यादव, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– III
विषय – हिन्दी साहित्य
–चतुर्थ प्रष्न पत्र–
कोड सं. MHI-304 (A 08)
"अनुवाद : सिद्धान्त और प्रविधि"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व। बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।	20
II	अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। अनुवाद–प्रक्रिया के तीन चरण – विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष–पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थान्तरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया)।	20
III	सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं। सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद।	20
IV	किन्हीं दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन। I. "गीतान्जलि" का हिंदी अनुवाद – हंसकुमारी तिवारी II. आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा हिंदी में किया गया भावानुवाद "विश्वप्रपंच की भूमिका"।	20
V	कार्यालयीन अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3 (3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद।	20
VI	शासकीय पत्र/अर्द्ध–शासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर)/ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/कार्यालय–आदेश/अधिसूचना/संकल्प–प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/निविदा–संविदा/विज्ञापन आदि से संबंधित तकनीकीपरक पारिभाषिक शब्दावली।	10
VII	पारिवारिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालय, प्रशासनिक विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाली पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिंदी रूप।	10
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी तृतीय सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियाँ (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **= कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)

= कुल 15 अंक।

टिप्पणी और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएं : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
2. अनुवाद विज्ञान एवं संप्रेषण : हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. अनुवाद सिद्धान्त : डॉ. भोलानाथ तिवारी, साहित्य सहकार, दिल्ली
4. अनुवाद शिल्प : समकालीन संदर्भ : डॉ. कुसुम अग्रवाल, साहित्य सहकार, दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धान्त और व्यवहार : रघुनंदन प्रसाद शर्मा, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
6. अनुवाद सिद्धान्त एवं रूपरेखा : डॉ. सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग : जी. गोपीनाथ, लोकभारती, इलाहाबाद
8. अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त तथा अनुप्रयोग : डॉ. नगेन्द्र, दिल्ली
9. अनुवाद की सामाजिक भूमिका : सीताराम पालीवाल, सचिन प्रकाशन, दिल्ली।

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– III
विषय – हिन्दी साहित्य
–चतुर्थ प्रष्न पत्र–
कोड सं. MHI-304 (A 09)
“स्त्री लेखन”
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	स्त्री की विशिष्ट जैविकता और “अबलापन” का मिथ, मातृसत्तात्मक समाज, पितृसत्ता की अवधारणा, पुरुष प्रधान सामाजिक संरचना में स्त्री, परिवार का संगठन और स्त्री श्रम, सामाजिक अनुकूलन में धर्म, समाज एवं परिवार की भूमिका, स्त्री यौनिकता, सेक्स बाजार और स्त्री, पूंजीवाद, आधुनिकता और स्त्री, स्त्रीवाद की अवधारणा, स्त्रीवादी आंदोलन, भूमंडलीकरण, बाजारवाद और स्त्री, दलित स्त्री, आदिवादी स्त्री।	20
II	आधुनिक समय में स्त्री–मुक्ति संबंधी चिंतन– जॉन स्टुअर्ट मिल, लेनिन, सीमान द बोउवार, जर्मन ग्रियर, मैरी वोल्टन क्राफ्ट, महादेवी वर्मा।	25
III	पाठ : उपन्यास : 1. इदन्नमं (मैत्रेयी पुष्पा) 2. माई (गीतांजलि श्री)	30
IV	पाठ : उपन्यास : 3. कठगुलाब (मृदुला गर्ग) 4. ऑवा (चित्रा मुद्गल)	30
V	पाठ : 1. आत्मकथा : अन्या से अनन्या (प्रभा खेतान)	5
VI	पाठ : 2. कविता : कहती हैं औरतें (सं. अनामिका)	5
VII	पाठ : 3. चिंतन : श्रृंखला की कड़ियाँ (महादेवी)	5
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे   **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी तृतीय सत्र का चतुर्थ प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियाँ (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
टिप्पणी और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. प्रभा खेतान : बाजार के बीच बाजार के खिलाफ : भूमंडलीकरण और स्त्री के प्रष्न, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. सीमोन दे बोउवार : स्त्री उपेक्षिता (अनुवादक –प्रभा खेतान) हिंद पाकेट बुक्स, दिल्ली
3. महादेवी वर्मा : श्रृंखला की कड़ियाँ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. डॉ. राधा कुमार : अनु. रमाशंकर स्त्री संघर्ष का इतिहास, वाणी प्रकाशन दिल्ली
5. रमणिका गुप्ता : स्त्री विमर्श, शिल्पायन, दिल्ली
6. राजकिशोर सं. स्त्री के लिए जगह, वाणी प्रकाशन दिल्ली
7. राजेन्द्र यादव : आदमी की निगाह में औरत, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
8. अरविंद जैन : औरत होने की सजा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
9. क्षमा शर्मा : स्त्री का समय, मेघा बुक्स दिल्ली
10. जगदीश्वर चतुर्वेदी : स्त्रीवादी साहित्य विमर्श, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली
11. जगदीश्वर चतुर्वेदी : स्त्रीवादी काव्यधारा, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली
12. रेखा कस्तवार : स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
13. विमल थोरात : दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली

स्नातकोत्तर हिन्दी

अंतिम वर्ष

सेमेस्टर– III

विषय – हिन्दी साहित्य

–चतुर्थ प्रश्न पत्र–

कोड सं. MHI-304 (A 10)

"प्रयोजनमूलक हिन्दी"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी, सम्पर्क भाषा, राज भाषा के रूप में हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी।	20
II	हिंदी भाषा की सामाजिक शैलियां : हिंदी, उर्दू और हिंदुस्तानी।	20
III	मौलिक और लिखित हिंदी, हिंदी भाषा का उद्भव और विकास, मानक हिंदी संकल्पना, हिंदी का मानकीकरण।	20
IV	हिंदी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा – प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता, क्षेत्र, वार्ता प्रकार और वार्ता शैली के आधार पर हिंदी की प्रमुख प्रवृत्ति,	20
V	क्षेत्र साहित्यिक हिंदी बनाम प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयोजन एवं उसकी उपयोगिता।	15
VI	प्रयोजनमूलक हिंदी के कुछ प्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, वृत्तिपरक हिंदी (लुहार, कुम्हार, सोनार आदि से संबंधित प्रयुक्तियां), व्यावसायिक हिंदी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण। विज्ञान की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण।	15
VII	भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा–लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक हिंदी में सार–लेखन, हिंदी में पारिभाषिक शब्द निर्माण विज्ञान, प्रस्तुति, वृत्तिपरक लेखन।	10
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी तृतीय सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियाँ (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **= कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक) **= कुल 15 अंक।**

टिप्पणी और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. दंगल झाल्टे
2. कार्यालय कार्यबोध – हरिबाबू कंसल
3. कामकाजी हिंदी – डॉ. कैलाशनाथ भाटिया
4. हिंदी उर्दू और हिंदुस्तानी : पद्म सिंह वर्मा
5. व्यावहारिक हिंदी : कृष्ण विकल
6. हिंदी का सामाजिक संदर्भ – डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं रमानाथ सहाय, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
7. राष्ट्रभाषा और हिंदी – डॉ. राजेन्द्र मोहन भटनागर, केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा
8. भाषा आन्दोलन – सेठ गोविंद दास, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
9. हिंदी भाषा की ससामाजिक भूमिका – डॉ. भोलानाथ तिवारी एवं मुकुल प्रियदर्शिनी, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा मद्रास।
10. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग : गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
11. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं रमानाथ सहाय, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
12. प्रशासनिक हिंदी निपुणता : हरिबाबू कंसल प्रभात प्रकाशन दिल्ली
13. आवेदन प्रारूप : डॉ. एस.एन. चतुर्वेदी, अक्षर प्रकाशन दिल्ली
14. कार्यालयी हिंदी : विजयपाल सिंह
15. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धान्त और व्यवहार – रघुनंदन प्रसाद शर्मा

स्नातकोत्तर हिन्दी

S. No.	Subject Code	Subject Name	Hrs./Week			Exam Hrs.	Maximum & Minimum Marks		
			L	T	P		Internal/ Min. Pass Marks	External/ Min. Pass Marks	Total/Min. Pass Marks
Theory									
1	**MHI-401**	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष – चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य – चतुर्थ प्रश्न पत्र– "हिन्दी आलोचक और आलोचना"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
2	**MHI-402**	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष – चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य "पाष्चात्य आलोचना"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
3	**MHI-403**	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष – चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –तृतीय प्रष्न पत्र– "हिन्दी नाटक और रंगमंच"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
4	**MHI-404 (B 01)**	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "तुलसीदास"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
5	**MHI-404 (B 02)**	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "भारतेन्दु हरिष्चन्द्र"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
6	**MHI-404 (B 03)**	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "प्रेमचन्द"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
7	**MHI-404 (B 04)**	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "रामचन्द्र शुक्ल"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
8	**MHI-404 (B 05)**	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "राजस्थानी भाषा और साहित्य"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
9	**MHI-404 (B 06)**	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "हिन्दी सिनेमा"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
10	**MHI-404 (B 07)**	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रष्न पत्र– "दलित साहित्य"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
11	**MHI-404 (B 08)**	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40

		–चतुर्थ प्रश्न पत्र– "संत काव्य"							
12	**MHI-404 (B 09)**	स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष –चतुर्थ सत्र– विषय – हिन्दी साहित्य –चतुर्थ प्रश्न पत्र– "आधुनिक भारतीय साहित्य"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
Total			**24**	**-**	**-**	**--**			**400**
Total Teaching Load			**24**						

L = Lecture, T = Tutorial, P = Practical

1. For Internal Assessment (IA) of the theory papers: Two Mid-Term Tests of 15 Marks and assignment of 15 Marks.
2. Institute can arrange a third Mid-Term Test as per the convenience of the students.
3. Passing Rules for M.A.Hindi Literature (2 Yr. Course)

The result of a candidate will be worked out at the end of each Semester Examination. For a Pass, candidate must obtain marks for each theory.

(A)	**Theory Paper**	**Passing%**	**(B)**	**Practical / Sessionals**	**Passing%**
i	Internal Assessment	40 %	i	Practical (Internal)	--
ii	End Semester (M.A.)University Exam	40 %	ii	Practical (External)	--
iii	Total of (i) & (ii)	40 %	iii	Total of (i) & (ii)	--

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– IV
विषय – हिन्दी साहित्य
–प्रथम प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-401
"हिन्दी आलोचक और आलोचना"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	रामचंद्र शुक्ल के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन।	20
II	हजारी प्रसाद द्विवेदी के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन।	20
III	डॉ. नगेन्द्र के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन।	20
IV	नंददुलारे वाजपेयी तथा रामविलास शर्मा के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन।	30
V	प्रसाद, प्रेमचंद, अज्ञेय, मुक्तिबोध और विजय देवनारायण साही के साहित्य चिंतन का आकलन।	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र का प्रथम प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इसमें तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियां (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
टिप्पणी और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुशंसित ग्रंथ :

24. हिंदी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल, दिल्ली
25. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
26. हिंदी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
27. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
28. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
29. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
30. साहित्य का नया शास्त्र – गिरीजा राय, इलाहाबाद
31. हिंदी काव्यशास्त्र पर आचार्य मम्मट का प्रभाव – राधेश्याम राय, क्लासिकल पब्लिशिंग कं. नई दिल्ली

32. समकालीन हिंदी आलोचना और आलोचना : रामवृक्ष
33. आलोचना की दूसरी परम्परा : नामवर सिंह
34. आलोचक और आलोचना : कमला प्रसाद, आधार प्रकाशन, पंचकूला
35. आधुनिक हिंदी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचंद्र तिवारी
36. आलोचक का दायित्व : डॉ. रामचंद्र तिवारी
37. आधुनिक हिंदी आलोचना : संदर्भ एवं दृष्टि – डॉ. रामचंद्र तिवारी
38. कृति चिंतन और मूल्यांकन – डॉ. रामचंद्र तिवारी
39. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : डॉ. रामचंद्र तिवारी
40. आचार्य रामचंद्र शुक्ल आलोचना कोष : डॉ. रामचंद्र तिवारी

अंतिम वर्ष

सेमेस्टर– IV

विषय – हिन्दी साहित्य

–अंतिम प्रश्न पत्र–

कोड सं. MHI-402

"पाष्चात्य आलोचना"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	प्लेटो – प्रत्यय सिद्धान्त, काव्य प्रेरणा, अनुकृति, काव्य पर आरोप। अरस्तू – अनुकृति, विरेचन, त्रासदी, प्लेटो और अरस्तू। लोंजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा। वड्सवर्थ – काव्य भाषा का सिद्धान्त।	30
II	कॉलरिज – कल्पना और फैन्टेसी। क्रोंचे – अभिव्यंजनावाद। टी.एस. एलियट – परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त। आई.ए. रिचड्स – मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त।	30
III	नई समीक्षा की प्रमुख अवधारणाएं। मार्क्सवादी समीक्षा।	30
IV	आधुनिक एवं औपनिवेशिता, शास्त्रीयतावाद (क्लासिसिज्म) और स्वच्छंदतावाद (रोमांटिसिज्म) यथार्थवाद, साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्यिक शैली विज्ञान, संरचनावाद, विखण्डनवाद, उत्तर आधुनिकता।	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र का अंतिम प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इसमें तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियां (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **= कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)

= कुल 15 अंक।

टिप्पणी और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. लिटरेरी क्रिटिसिज्म – ए शार्ट हिस्ट्री : विम्डासाट विलियम के. एण्ड क्लीन्थ ब्रुक्स, लंदन।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. नई समीक्षा के प्रतिमान – निर्मला जैन, राजकमल, दिल्ली।
4. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली।

5. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. आलोचक और आलोचना– बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. साहित्य की समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला।
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त और वाद – डॉ. भागिरथ कृष्ण।
9. आलोचक का दायित्व – डॉ. रामचंद्र तिवारी।
10. आधुनिक हिन्दी आलोचना : संदर्भ एवं दृष्टि – डॉ. रामचंद्र तिवारी।
11. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – डॉ. रामचंद्र तिवारी।
12. कृति चिंतन और मूल्यांकन संदर्भ – डॉ. रामचंद्र तिवारी।

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– IV
विषय – हिन्दी साहित्य
–तृतीय प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-403
"हिन्दी नाटक और रंगमंच"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	**भारत दुर्दशा** : भारतेन्दु हरिश्चंद्र	30
II	**चंद्रगुप्त** : जयशंकर प्रसाद	30
III	**आधे–अधूरे** : मोहन राकेश	30
IV	**कथा एक कंस की** : दया प्रकाश सिन्हा	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र का तृतीय प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक तथा तीन व्याख्याएँ (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक, **= कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।

व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ औझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली
2. पहला रंग – देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. रंग परम्परा – नेमिचंद जैन
4. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा
5. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगतराम एंड संस, दिल्ली
6. हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप – डॉ. नर्वदेशर राय, हिंदी ग्रंथ कुटीर, पटना
7. जयशंकर प्रसाद : रंगदृष्टि – रा.ना.वि. नई दिल्ली
8. रंग हबीब – भारतरत्न भार्गव
9. समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना – डॉ. गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
10. मोहन राकेश : आभा गुप्ता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. नाटक और रंग परिकल्पना – डॉ. गिरीश रस्तोगी

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– IV
विषय – हिन्दी साहित्य
– चतुर्थ प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-404 (B 01)
"तुलसीदास"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	**रामचरितमानस**, गीता प्रेस, गोरखपुर (अयोध्याकाण्ड : दोहा सं. – 67 से 185 तक)	50
II	**कवितावली**, गीता प्रेस, गोरखपुर (केवल उत्तरकाण्ड, 30 छंद) छंद संख्या– 29, 35, 37, 44, 45, 60, 67, 73, 74, 84, 88, 89, 102, 103, 108, 119, 122, 126, 132, 134, 136, 140, 141, 146, 153, 155, 161, 165, 182, 229	30
III	**गीतावली**, गीता प्रेस, गोरखपुर (केवल बालकाण्ड, 20 पद) पद संख्या– 7, 8, 9, 10, 18, 24, 26, 31, 33, 36, 44, 73, 95, 101, 104, 105, 106, 107, 110	20
IV	**विनय पत्रिका**, गीता प्रेस, गोरखपुर (चुने हुए कुल 40 पद) पद संख्या– 1, 5, 17, 30, 36, 41, 45, 72, 78, 79, 85, 89, 90, 94, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 111, 113, 114, 115, 121, 159, 160, 164, 165, 166, 167, 182, 201, 269, 272	20
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक तथा तीन व्याख्याएँ (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. तुलसी और उनका युग – डॉ. राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल, काशी
3. रामकथा का विकास – कामिल बुल्के हिंदी परिषद्, प्रयाग

4. मानस की रूसी भूमिका (हिंदी अनुवाद) – वारान्निकोव, विद्यामंदिर, लखनऊ
5. तुलसीदास – ग्रियर्सन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. गोसाईं तुलसीदास – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
7. तुलसी आधुनिक वातायन से – रमेश कुंतल मेघ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. भक्तिकाव्य और लोक जीवन – शिवकुमार मिश्र, दिल्ली
10. भक्तिकाव्य की भूमिका – प्रेमशंकर, नई दिल्ली
11. लोकवादी तुलसी – विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
12. भक्तिकाल में भारतीय रहस्यवाद – राधेश्याम दूबे, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
13. तुलसी एक पुनर्मूल्यांकन – सं. अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकूला
14. मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ. रामचंद्र तिवारी।

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– IV
विषय – हिन्दी साहित्य
–चतुर्थ प्रष्न पत्र–
कोड सं. MHI-404 (B 02)
"भारतेन्दु हरिष्चन्द्र"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	भारतेन्दु के निबंध – सं. डॉ. केशरीनारायण शुक्ल, सरस्वती मंदिर, वाराणसी।	40
II	भारतेन्दु ग्रंथावली भाग–1 : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।	40
III	भारतेन्दु ग्रंथावली भाग–2 : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (प्रेममालिका, प्रेममाधुरी, प्रेमसरोवर, प्रेमाश्रुवर्षन, प्रेमप्रलाप, कृष्णचरित्रमाला)।	40
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र का चतुर्थ प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक तथा तीन व्याख्याएँ (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
व्याख्या और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ –

1. भारतेन्दु एवं उनके सहयोगी – डॉ. किशोरीलाल गुप्त, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।
2. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
3. पत्र–पत्रिकाओं का इतिहास– डॉ. रामरतन भटनागर।
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य– डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद् प्रयाग।
5. भारतेन्दु हरिश्चंद्र– डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
6. भारतेन्दु हरिश्चंद्र– एक व्यक्तित्व चित्र– ज्ञानचंद जैन।

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– IV
विषय – हिन्दी साहित्य
–चतुर्थ प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-404 (B 03)
"प्रेमचन्द"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	**उपन्यास** – सेवासदन, प्रेमाश्रम, गबन, कर्मभूमि।	60
II	**नाटक** – कर्बला।	20
III	**आलोचना** – साहित्य का उद्देश्य	20
IV	**कहानियां** – कफन, पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, नशा, सवा सेर गेहूँ, सदगति, मनोवृत्ति, ठाकुर का कुआं, रामलीला, पंच–परमेश्वर, ईदगाह, लाटरी, दाम, दो बेलों की कथा।	20
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र का चतुर्थ प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक तथा तीन व्याख्याएँ (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
व्याख्या और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ –

1. प्रेमचंद : घर में – शिवरानी देवी।
2. प्रेमचंद : एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान।
3. प्रेमचंद और उसका युग – डॉ. रामविलास शर्मा
4. प्रेमचंद : कलम का सिपाही – अमृतराय
5. प्रेमचंद : मदन गोपाल।
6. प्रेमचंद : जीवन कला एवं कृतित्व– हंसराज रहबर
7. प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन– नंददुलारे वाजपेयी
8. कथाकार प्रेमचंद : मन्मनाथ गुप्त
9. प्रेमचंद : एक अध्ययन – राजेश्वर गुरू

10. प्रेमचंद की उपन्यास कला – जनार्दनप्रसाद राय
11. प्रेमचंद एवं भारतीय किसान – रामबक्स
12. प्रेमचंद – गंगाप्रसाद विमल
13. प्रेमचंद के साहित्य सिद्धान्त – नरेन्द्र कोहली
14. प्रेमचंद : कला एवं व्यक्तित्व – जैनेन्द्र
15. प्रेमचंद : स्मृति – सं0 अमृतराय
16. प्रेमचंद : चिन्तन और कला – सं0 इन्द्रनाथ मदान।
17. प्रेमचंद और गोर्की – श्री मधु प्रगति प्रकाशन, मास्को
18. हिन्दी उपन्यास : विशेषतः प्रेमचंद – नलिनविलोचन शर्मा
19. हिन्दी उपन्यास – आचार्य रामचंद्र तिवारी
20. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचंद्र तिवारी
21. नई कहानी : परिवेश और परिप्रेक्ष्य – डॉ. रामकली शर्राफ
22. हिन्दी का गद्य साहित्य : आचार्य रामचंद्र तिवारी

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– IV
विषय – हिन्दी साहित्य
–चतुर्थ प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-404 (B 04)
"रामचन्द्र शुक्ल"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	**चिंतामणि भाग–1**, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी	30
II	**चिंतामणि भाग–2,** नागरी प्रचारिणी सभा, काशी	30
III	**चिंतामणि भाग–3**, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी	30
IV	**रस मीमांसा** – सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी। नोट : व्याख्या केवल चिंतामणी (1, 2 एवं 3) से पूछी जाएगी।	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक तथा तीन व्याख्याएँ (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल, दिल्ली।
2. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
4. आलोचना के बदलते मानदण्ड और हिंदी साहित्य – शिवकरण सिंह, किताब महल, इलाहाबाद
5. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
7. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
8. साहित्य का नया शास्त्र – गिरीजा राय, इलाहाबाद
9. हिंदी काव्यशास्त्र पर आचार्य मम्मट का प्रभाव – राधेश्याम राय, क्लासिकल पब्लिशिंग कं. नई दिल्ली

10. रामचंद्र शुक्ल – मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– IV
विषय – हिन्दी साहित्य
–चतुर्थ प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-404 (B 05)
"राजस्थानी भाषा और साहित्य"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	**राजस्थानी भाषा :** भारतीय भाषाओं में राजस्थानी का महत्व, राजस्थानी की प्रमुख विशेषताएं एवं प्रमुख बोलियाँ।	30
II	**राजस्थानी भाषा का इतिहास।**	30
III	**राजस्थानी साहित्य – गद्य :** राजस्थानी गद्य चयनिका (सं.) ब्रजनारायण पुरोहित, श्याम प्रकाशन, जयपुर। अचलदास खींची री वचनिका – (सं.) भूपतिराम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।	30
IV	**राजस्थानी साहित्य – पद्य :** वेलि क्रिसन रुक्मणी री : पृथ्वीराज राठौड़, (सं.) नरोत्तमदास स्वामी – श्रीराम मेहरा एण्ड कम्पनी, आगरा (प्रारम्भ के 225 छंद वसंत वर्णन से पूर्व तक), राजस्थानी रसधारा – डॉ. शम्भूसिंह मनोहर, श्याम प्रकाशन, जयपुर।	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक तथा तीन व्याख्याएँ (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. सुनीति कुमार चटर्जी : राजस्थानी शोध संस्थान, उदयपुर
2. डॉ. तेसीतोरी (अनु. डॉ. नामवरसिंह) : पुरानी राजस्थानी, ना. प्रचा. सभा, वाराणसी
3. सीताराम लालस : राजस्थानी व्याकरण, जोधपुर

4. डॉ. नरोत्तमदास स्वामी : संक्षिप्त राजस्थानी व्याकरण, सार्दुल, राजस्थानी रिसर्च।
5. डॉ. मोतीलाल मेनारिया : राजस्थानी भाषा और साहित्य, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
6. ग्रियर्सन : राजस्थान भाषा सर्वेक्षण (अनु. डॉ. आत्माराम जाडोरिया, राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर)
7. डॉ. भूपतिराम साकरिया तथा बद्रीप्रसाद साकरिया : राजस्थानी हिंदी – भाषा कोष भाग–2, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
8. डॉ. कृष्णबिहारी सहल : ढोला मारू रा दूहा : एक अध्ययन, आत्माराम एंड संस, दिल्ली
9. श्रीमती ऊषा शर्मा : रूकमणहरण फूलाकृत : विश्लेषण एवं मूल्यांकन, ऊषा पब्लिशिंग हाउस, जोधपुर

स्नातकोत्तर हिन्दी

अंतिम वर्ष

सेमेस्टर– IV

विषय – हिन्दी साहित्य

–चतुर्थ प्रश्न पत्र–

कोड सं. MHI-404 (B 06)

"हिन्दी सिनेमा"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	**सिनेमा और समाज –** विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा। मनोरंजन माध्यमों का जनतांत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका। सिनेमा : कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिनेमा सिद्धान्त।	20
II	**सिनेमा तकनीकी पक्ष :** फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा : सृजन की सामूहिकता, सिनेमायी भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और सम्पादन, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर।	20
III	**हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास :** प्रारम्भिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिंदी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और सामानान्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण, बाजारवाद और हिंदी सिनेमा, बाल फिल्में, तकनीकी क्रांति और हिंदी सिनेमा।	20
IV	**साहित्य और सिनेमा : अंतःसंबंध :** सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीकी उलझनें।	15
V	**पाठ– पाठान्तर (नाटक) :** मृच्छकटिक (शूद्रक) – उत्सव (गिरीश कर्नाड) यहूदी की लड़की (आगा हश्र कश्मीरी) – मेकबेथ (शेक्सपियर) – मकबूल (विशाल भारद्वाज), फादर (स्टिंगवर्ग) – पिता (गोविंद निहालानी), लर्नेड अल्वास हाउस (लोर्का) – रूकमावती की हवेली (गोविंद निहालानी)	15
VI	**पाठ– पाठान्तर (कथा) :** रेनकोट (ऋतुपर्णा घोष)। सद्गति (प्रेमचंद) – सत्यजीत राय। यही सच है (मन्नू भण्डारी) – रजनीगंधा। तिरिया चरितर (शिवमूर्ति) – तिरिया चरितर (बासु भट्टाचार्य) दुविधा (विजयदान देथा) – पहेली (अमोल पालेकर)।	15
VII	**पाठ– पाठान्तर (उपन्यास) :** गोदान (प्रेमचंद) – गोदान। चित्रलेखा (भगवती चरण वर्मा)। तमस (भीष्म साहनी) – तमस (गोविंद निहलानी)। नौकर की कमीज (विनोद कुमार शुक्ल) – नौकर की कमीज (मणि कौल)। पिंजर (अमृता प्रीतम) – पिंजर (चंद्र प्रकाश द्विवेदी)।	15
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र का चतुर्थ प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक तथा तीन टिप्पणियां (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक, **= कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)

= कुल 15 अंक।

टिप्पणी और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. जवरीमल्ल पारख, जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र, अनामिका पब्लिशर्स।
2. रामअवतार अग्निहोत्री, आधुनिक हिंदी सिनेमा का सामाजिक व राजनीतिक अध्ययन, कामनवेल्थ पब्लिशर्स।
3. जवरीमल्ल पारख, लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, अनामिका पब्लिशर्स।
4. विजय अग्रवाल, आज का सिनेमा, नीलकंठ प्रकाशन
5. जवरीमल्ल पारख, हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन।
6. विनोद दास, भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स।
7. विजय अग्रवाल, सिनेमा और समाज, सत्साहित्य प्रकाशन
8. विनोद भारद्वाज, नया सिनेमा रूपा एंड कंपनी
9. विजय अग्रवाल, सिनेमा की संवेदना, प्रतिमा प्रतिष्ठान
10. विजय अग्रवाल, सिनेमा और समाज, सत्साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
11. प्रहलाद अग्रवाल, आधी हकीकत आधा फसाना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. विष्णु खरे, सिनेमा पढ़ने के तरीके, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली
13. चिदानंददास गुप्ता, सत्यजीतराय का सिनेमा, नेशनल बुकट्रस्ट, नई दिल्ली
14. विनोददास, भारतीय सिनेमा का अन्तःकरण, मेधा बुक्स, दिल्ली
15. तारकोवस्की, अनन्त में फैलते बिम्ब, संवाद प्रकाशन, मुम्बई : मेरठ।
16. जंवरीमल्ल पारख, जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र : अनामिका पब्लिसर्स, दिल्ली
17. जगदीश्वर चतुर्वेदी, जनमाध्यम और मास कल्चर : सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली।

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– IV
विषय – हिन्दी साहित्य
–चतुर्थ प्रष्न पत्र–
कोड सं. MHI-404 (B 07)
"दलित साहित्य"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	**जूठन** – ओम प्रकाश वाल्मीकि	30
II	**दलित कहानी संचयन** : सं. रमणिका गुप्ता (हिंदी कहानियाँ मात्र)	30
III	वर्ग व्यवस्था और शूद्र, सामंतवादी समाज में जाति व्यवस्था, शूद्र वर्ग में जातियां और स्तर भेद, स्वतंत्रता संग्राम और दलित प्रश्न, अम्बेडकर के सार्थक प्रयास और दलित वर्ग में जागरण, आधुनिकता के प्रश्न और दलित। भारतीय संविधान में दलितों के अधिकार, दलित मध्यम वर्ग का उभार, दलित स्त्रियां, दलित नवजागरण।	30
IV	भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य, दलित और भक्ति–आंदोलन, दलित साहित्य का वैकल्पिक सौंदर्यशास्त्र, दलित साहित्य में सहानुभूति बनाम स्वानुभूति, प्रेमचंद और निराला का दलित समाज संबंधी साहित्य।	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र का चतुर्थ प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक तथा तीन व्याख्या (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
व्याख्या और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथः

1. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओम प्रकाश वाल्मीकि
2. युद्धरत आम आदमी : सं. रमणिका गुप्ता (पत्रिका– दलित अंक)
3. दलित साहित्य : अंक 2002–2003 सं. जयप्रकाश कर्दम
4. हरिजन से दलित – सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन
5. आधुनिकता के आयने में दलित – सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन

6. वसुधा पत्रिका – 58वां अंक, मध्य प्रदेश प्रगतिशील लेखक संघ
7. दलित और अश्वेत साहित्य– कुछ विचार, सं. चमनलाल, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला।

स्नातकोत्तर हिन्दी

अंतिम वर्ष

सेमेस्टर– IV

विषय – हिन्दी साहित्य

–चतुर्थ प्रश्न पत्र–

कोड सं. MHI-404 (B 08)

"संत काव्य"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	**गोरखबानी** : (सं. डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल – हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग) (आरम्भिक 75 सबदिया)।	30
II	**संत काव्य संग्रह** : (सं. परशुराम चतुर्वेदी, नया संस्करण, किताब महल, इलाहाबाद) – **कबीर** (पद– 21 से 40),	20
III	**संत काव्य संग्रह** : (सं. परशुराम चतुर्वेदी, नया संस्करण, किताब महल, इलाहाबाद) – **नानक** (सम्पूर्ण), **नामदेव** (सम्पूर्ण), **रैदास** (सम्पूर्ण), **सहजो** (सम्पूर्ण), **सुन्दरदास** (महेशचंद्र मिश्र) (सम्पूर्ण),	40
IV	**संत काव्य संग्रह** : (सं. परशुराम चतुर्वेदी, नया संस्करण, किताब महल, इलाहाबाद) – **रज्जब** (सम्पूर्ण), **पलटू** (सम्पूर्ण), **तुकाराम** (भालचंद्र नेमाड़े), **मलूकदास**–बलदेव बंशी, **दादूदयाल**–रामबक्ष।	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक तथा तीन टिप्पणियां (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक, **= कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)

= कुल 15 अंक।

टिप्पणी और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

अनुषंसित ग्रंथ :

1. नाथ संप्रदाय – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, नैवेद्य निकेतन, वाराणसी।
2. हिंदी साहित्य में निर्गुण में सम्प्रदाय – डॉ. पीताम्बर बड़थ्वाल।
3. संत साहित्य – डॉ. राधेश्याम दूबे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

4. हिंदी काव्य की निर्गुणधारा में भक्ति – डॉ. श्यामसुंदर शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. उत्तरी भारत की संत परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद।

स्नातकोत्तर हिन्दी
अंतिम वर्ष
सेमेस्टर– IV
विषय – हिन्दी साहित्य
–चतुर्थ प्रश्न पत्र–
कोड सं. MHI-404 (B 09)
"आधुनिक भारतीय साहित्य"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	वेदों और उपनिषदों का सामान्य स्वरूप और उनका भारतीय साहित्य पर प्रभाव, रामायण, महाभारत, पुराण का सामान्य परिचय और भारतीय साहित्य पर उनका प्रभाव।	30
II	बौद्ध और जैन धर्म का भारतीय साहित्य पर प्रभाव, वेदान्त – शंकर, रामानुज, वल्लभ आदि मध्यकालीन दार्शनिकों का अवदान, शैवमत तथा मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव।	30
III	भागवत सम्प्रदाय, वैष्णव मत – मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव, इस्लाम और सूफीमत – उसका भारतीय साहित्य और संस्कृति पर प्रभाव, भक्ति आंदोलन और भारतीय साहित्य।	30
IV	स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा भारतीय साहित्य पर उसका प्रभाव, भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता। गाँधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद और अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव। आधुनिक भारतीय साहित्य।	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र का चतुर्थ प्रश्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।
बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक तथा तीन टिप्पणियां (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक, **= कुल 70 अंक।**
आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।
टिप्पणी और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

निर्धारित पुस्तकें :
1. गीतांजलि : रवीन्द्रनाथ टेगौर, अनु0 प्रयाग शुक्ल, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
2. सुब्रमण्यम् भारती की कविताएं – एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली
3. उज्जयिनी – ओ. एन. वी. कुरूप, अनु. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर।

4. मूक माटी – आचार्य विद्यासागर, भारतीय ज्ञानपीठ, लोदी रोड़, नई दिल्ली।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य : डॉ. भोलाशंकर व्यास
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय
3. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय
4. भागवत सम्प्रदाय – डॉ. बलदेव उपाध्याय
5. सूफीमत : साधना और साहित्य – डॉ. रामपूजन तिवारी
6. संस्कृति के चार अध्याय – दिनकर
7. भारतीय साहित्य : डॉ. नगेन्द्र
8. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं : डॉ. रामविलास शर्मा
9. भारतीय चिंतन की परम्परा – के. दामोदरन
10. आधुनिक भारतीय चिंतन – डॉ. विश्वनाथ नरवण
11. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी
12. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी